सुजाग्रति समाज सेवी संस्था मुरैना म0 प्र0

एल.आई.जी. 914, न्यू हॉउसिंग बोर्ड कॉलोनी, मुरैना (मध्यप्रदे ा) पिन–476001
Email- sujagriti99@gmail.com Website- www.sujagriti.org
Mobile No. 09826318465 / 09977843980

वार्षिक रिपोर्ट 2020–2021

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था मुरैना म0 प्र0

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था एक गैर लाभकारी संस्था है, जो 21 वर्ष से सफलतापूर्वक पर्यावरण संरक्षण, बीहड़ से गुग्गल के संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य कर रही है। वर्तमान परिवेश में संस्था के कार्य अत्यन्त उपयोगी व प्रांसगिक है। आज जहां मध्यप्रदेश से कई बहुमूल्य औषधीय प्रजातियां विलुप्त हो चुकी है और विलुप्त होने के कगार पर है, ऐसी स्थिति में सुजागृति संस्था की महत्ता और बढ़ जाती है। मध्यप्रदेश की बहुमूल्य औषधीय प्रजाति गुग्गल जो कभी बीहड़ की शान था वह अप्राकृतिक विदोहन के कारण विलुप्त होने क कगार पर है। ऐसी परिस्थिति में मध्यप्रदेश वन विभाग, औषधीय पादपबोर्ड, राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर, आरसीएफसी, जबलपुर के साथ मिलकर इसके संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य किया जा रहा है।

सहयोगः– राष्ट्रीय औषध पादप बोर्ड नई दिल्ली, रेक्शनोल्ड कम्पनी मुम्बई, बी.एम.सी. लगडिया मुरैना (म.प्र.) वन विभाग मुरैना (म.प्र.)

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् गुग्गल, सतावर, करील, का रोपण विश्व पर्यावरण के अवसर पर

आज विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर सुजागृति समाजसेवी संस्था मोरेना द्वारा 500 गगूगल, सतावर के पेड़ों का वृक्षारोपण ग्राम बागचीनी में किया गया।इस अवसर पर वनमंडलाधिकारी, मोरेना एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा स्थलीय कर्मचारियों के सहयोग एवं र्मादर्शन में सुजागति समाज सेवी संस्था के कार्यकर्ता और करीब 20 हितग्राही किसान वृक्षारोपण का कार्य किया गया। इस अवसर पर गूग्गल, सतावर और करील आदि के वृक्षों का रोपड़ किया गया। किसानों के 10 बीधा निजी भूमि में खेतों के मेड़ों पर इन पौधों का रोपण किया गया। इन पौधों को समतल जमीन पर लगाने के पीछे एक उद्देश्य यह है कि भविष्य में हमें गूग्गल के बीजऔर गोंद आसानी से प्राप्त होगे।इससे किसान प्रेरित होकर अपनी आय में वृद्धि के लिए अधिक से अधिक भागीदारी निभा सकेंगे। जिसका परिणाम एक तो पर्यावरण सुधरेगा दूसरा लुप्त होती हुई प्रजाति गूग्गल का भी संरक्षण होगा। इस कार्यक्रम में ग्राम सरपंच राजेश जी एवं हितग्राही किसान मनोज उपाध्याय, अजयवीर सिंह सिकरवार तथा 20 किसानों द्वारा कार्यक्रम में भागीदारी की। यह कार्यक्रम नेशनल मेडिसिनल प्लांट बोर्ड के सहयोग से किया गया।

पेपर न्यूज

पर्यावरण दिवस... किसानों की जमीन पर रोपे 500 गुग्गल के पौधे

मुरैना| विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में सुजाग्रति संस्था के जुड़े समाजसेवियो ने बागचीनी बस स्टेंड के पास स्थित किसानों के खेत की मेड़ पर शुक्रवार को 500 गुग्गल के पौधे रोपे। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में फॉरेस्ट विभाग के रेंजर ब्रजेंद्र झा, तहसीलदार कल्पना शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर सुजाग्रति संस्था के सचिव जाकिर हुसैन ने कहा कि गुग्गल की खेती अपनाकर किसान भाई न केवल अतिरिक्त आय कर सकते हैं, बल्कि इससे युवाओं को रोजगार मिलेगा।

डी.एफ.ओ. मुरैना श्री बसंत कुमार निकुम्भ पौधा रोपण करते हुये।

मनुष्य का जीवन बचाने हेतु जैव विविधता का संरक्षण जरूरी प्रशिक्षण

आज दिनांक 17.10.2020 को सीनियर आईफएस माननीय श्री श्रीनिवासन मूर्ति, पूर्व जैव विविधता बोर्ड सदस्य और सचिव महोदय सपत्नीक सुजाग्रति समाज सेवी संस्था द्वारा आयोजित जैव विविधता संरक्षण एवं संवर्धन कार्यक्रम में भागीदारी निभाई। ग्राम पिपरई में गूग्गल की उपयोगिता,फल संग्रह पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें आदरणीय मूर्ति साहब द्वारा बताया गया कि जैव विविधता को समझने के लिए कोरोना से अच्छा कोई उदाहरण नहीं हो सकता है। चमगादड़ के साथ छेड़छाड़ मनुष्य ने किया लेकिन उसका परिणाम आज सारा जगत भोग रहा है। इसलिए हमें प्रकृति की खूबसूरती के साथ छेड़छाड़ नहीं करना है ताकि उसका संतुलन बना रहे। गूगल एक ऐसी औषधीय पौधा है जिससे हजारों बीमारियों का इलाज होता है। हमारे पास इसे लगाने के लिए पर्याप्त जगह मौजूद है साथ ही इसके लिए यहां की बीहड़ की मिट्टी बहुत ही अनुकूल है। गुग्गल यहां के लोगों की आजीविका का साधन बन सके यह प्रयास हम और आपको करना है।उन्होने आगे अपने उद्‌बोधन में कहा कि आम का पेड़ लगाता कोई और है और आम खाता कोई और है, इसी प्रकार हमें अपने साथ साथ आने वाली पीढ़ी का भी ख्याल रखना है। इस अवसर पर जैव विविधता प्रबंधन समिति पिपरई के अध्यक्ष श्री द्वारिका जी द्वारा भी जैव विविधता का महत्व बताते हुए कहा कि समुद्र मंथन के समय कल्पवृक्ष निकला था, उसी की तुलना आज गूग्गल से की जा सकती है। जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री राजेंद्र सिंह, लंगड़ा गांव ने भी जैव विविधता पर प्रकाश डालते हुए गुग्गल की सुरक्षा और संवर्धन के लिए प्रतिबद्धता जताई। सुजागृति संस्था के संचालक जाकिर हुसैन द्वारा अभी तक गुग्गल संवर्धन पर किए गए कार्यों के विषय में बताया गया कि आज गुग्गल एवं शतावर से 500 परिवारों की आजीविका चल रही है, इसलिए इसका संरक्षण और संवर्धन बहुत ही आवश्यक है। इस अवसर पर गोष्ठी में प्रतिभागिता कर रहे समुदाय ने भी गूगल और औषधि पौधों का संरक्षण करने की शपथ ली, वन विभाग से रेंजर श्री कुलश्रेष्ठ, श्री लाखन सिंह, डिप्टी रेंजर द्वारा भागीदारी की गई ।इस कार्यक्रम से समितियों, समुदाय एवं संस्था में नव जागृति, नई चेतना नया उत्साह पैदा हुआ।

प्रशिक्षण... मनुष्य का जीवन बचाने जैव
विविधता का सरंक्षण जरूरी

मुरैना | मनुष्य का जीवन बचाने के लिए जैव विविधता का सं
करना अत्यंत आवश्यक है। जिस प्रकार भोजन की पौष्टिकता के
थाली में सब्जी, दाल, चावल, रोट, सलाद होना चाहिए। ठीक
प्रकार प्रकृति का संचालन करने सभी प्रकार के जीव जंतुओं का
जरूरी है। यह जानकारी शनिवार को पिपरई गांव में आयोजित
विविधता प्रशिक्षण शिविर में किसानों को समाजसेवी जाकिर
दे रहे थे। यह प्रशिक्षण सुजाग्रति संस्था द्वारा आयोजित किया
जिसमें 50 से अधिक किसान उपस्थित थे।

एन.एम.पी.बी. की परियोजना का मूल्यांकन एवं ई वैल्यूएशन RCFC द्वारा

दिनांक 16.10.2020 को ग्राम जाबरौल में क्षेत्रीय सह सुविधा केंद्र मध्यप्रदेश, जबलपुर आरसीएफसी की ओर से श्री मनीष पुरी गोस्वामी, सलाहकार और पंकज सैनी का आगमन हुआ उनके द्वारा हितग्राही किसानों के साथ बैठक की तथा बीहड़ क्षेत्र का भ्रमण भी किया गया। सुजागृति समाज सेवी संस्था द्वारा लगाए गए गुग्गल, सतावर, करील एवं चमेली के पेड़ों का अवलोकन भी किया गया। साथ ही जाबरोल के पूर्व सरपंच श्री एहसान अली खान को अश्वगंधा की खेती के लिए प्रेरित किया। श्री एहसान अली द्वारा अश्वगंधा की खेती के लिए 4 किलो अश्वगंधा का बीज आरसीएफसी, जबलपुर के द्वारा प्रदान किया गया।यह बीहड में आजीविका बढ़ाने का नया साधन हो सकेगा । राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित आरसीएफसी एवं सुजागृति संस्था की यह मंशा है कि बीहड़ क्षेत्र में औषधीय पौधों का रोपण किया जाए, जिससे किसानों की आय दोगुनी से भी ज्यादा हो। इसलिए अश्वगंधा और पुनर्नवा तथा क्षेत्र में औषधीय पौधों की संभावना तलाश, उन्हें रोपित कर अतिरिक्त आय और आजीविका के श्रोत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। बीहड़ के कारण जो लोग भूमि हींनऔर बेघर हो गए हैं उनके लिए आजीविका का साधन बनाना उद्देश्य है। ग्राम बामसौली, जाबरौल, पिपरई और नदुआ पुरा में अनुश्रवण एवं मूल्यांकन का कार्य भी किया गया।

एन.एम.पी.बी. की परियोजना का मूल्यांकन एवं रिव्यू संस्था द्वारा

दिनांक 23.11.2020 गुग्गल रोपण क्षेत्र का भ्रमण किया गया जिसमें 1, 5, 10, 15 एवं 20 वर्ष पूर्व रोपे गए पौधों का अवलोकन किया गया, साथ ही ग्राम नदुआ पुरा का भ्रमण किया गया। महिलाओं के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं को सुना, नदुआ पुरा गांव के लोग जड़ी–बूटी, गोद संग्रहण आदि से अपना जीवन यापन करते हैं।

ग्राम पिपरई ओर नादनपुर में एन.एम.पी.बी. की परियोजना का सुजागृति संस्था द्वारा अनुश्रवण एवं मूल्यांकन

15 सितम्बर 2020

जैव विविधता प्रबंधन समिति के साथ बैठक व कार्य का मुल्यांकन

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् गुग्गल, सतावर, करील, का रोपण

दिनांक 22.09.2020 को ग्राम पंचायत बागचीनी के पोखर इलाके में तहशील जौरा में सुजागति समाज सेवी संस्था मुरैना द्वारा NMPB के सहयोग से पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण गुग्गल, सताबर कारील, चमैनी के पौधों का रोपण किया गया। पर्यावरण की सुरक्षा की जिम्मेदारी हितग्राही किसान श्री ब्रजेश उपाध्याय ने लिया। स्थानीय समुदाय की आजीविका का साधन एवं भूमि कटाव को रोकने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में हितग्राही किसान ग्राम सरपंच बैगचीनी के बनवारी लाल गुर्जर, राजेन्द्र सिंह सिद्दार, ब्रजेश यादव, मनोज उपाध्याय, राजबीर सिंह सिकरबार, अजयबीर और सुजागृती समाज सेवी संस्था के लोगों की भागीदारी रही।

पौधरोपण... औषधीय प्रजातियों के 100 से अधिक पौधे रोपे

मुरैना | सुजाग्रति समाजसेवी संस्था द्वारा मंगलवार को बागचीनी गांव स्थित सरकारी जमीन पर 100 से अधिक औषधीय प्रजाति के पौधे रोपे। इस दौरान समाजसेवियों ने ग्रामीणों के साथ गुग्गल, सतावर, करील, चमैली के पौधे लगाए। इस अवसर पर समाजसेवी जाकिर हुसैन ने बताया कि गुग्गल, सतावर, करील व चमेली के पौध न केवल किसान की आर्थिक आय बढ़ाने में सहायक हैं, बल्कि इन पौधों को रोपकर भू-कटाव रोका जा सकता है। गुग्गल के पौधे बिना पानी के विकास कर जाता है तथा आयुर्वेदिक कंपनियां इस अच्छी कीमत पर खरीदती हैं। पौध रोपण करने वालों में ब्रजेश उपाध्याय, बनवारी लाल गुर्जर, राजेन्द्र सिं, सिद्दार यादव, मनोज उपाध्याय, राजबीर सिंह सिकरबार, अजयवीर आदि प्रमुख रूप से शामिल थे।

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् गुग्गल, सतावर एवं करीलका रोपण

गूगल के लगाइए गए पौधों का मूल्यांकन एवं मॉनिटरिंग करते हुए ग्राम पिपरई में

17 जून 2020

गूगल के लगाइए गए पौधों का मूल्यांकन एवं मॉनिटरिंग करते हुए

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् औषधि पार्क के लिए जनसमुदाय की पहल

औषधि पार्क के लिए जन समुदाय की पहल आज कुस अमावस्या के अवसर पर दिनांक 19. 08.2020 को ग्राम बामसौली में जनसमुदाय, जनप्रतिनिधियों एवं हितग्राही किसानों व भक्त जनों के सहयोग से खो वाले हनुमान जी पर एक हेक्टेयर जमीन को औषधि पार्क बनाने के लिए पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन सुजागृति समाज सेवी संस्था मुरैना द्वारा किया गया। पौधारोपण से पूर्व यहां जो पौधे लगाए गए थे, उन पौधों की सफाई की गई, घास हटाया गया तत्पश्चात् वृक्षारोपण किया गया वृक्षारोपण में गुग्गल, सतावर,अग्निमांथ, जामुन और बरगद आदि के पौधों का रोपण किया गया। इस कार्यक्रम में श्री जितेन्द्र सिंह तोमर,श्री राकेश पचौरी, सबलगढ़ से, ग्राम बमसौली के सरपंच मुरारी लाल रावत, जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सद्स्य व हितग्राही किसान मुरैना से राकेश श्रीवास्तव, सुशील कुमार नागर, राजेन्द्र,सुजागति समाज सेवी संस्था से श्री जाकिर हुसैन,मुन्नालाल आदि लोगों ने भागीदारी की। यह वृक्षारोपण यहां एक औषधि पार्क, पर्यावरण की सुरक्षा, गरीबों की आजीविका सुनिश्चित हो इस उद्देश्य को लेकर हरियाली से खुशहाली की ओर समुदाय को ले जाने का प्रयास किया जा रहा है। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के सहयोग से आयोजित किया गया। लगाये गए पौधों के रखरखाव का संकल्प भी ग्रामीण जनों ने लिया। सरपंच साहब द्वारा पौधों में ट्री गार्ड लगाने का आश्वासन भी दिया गया।

पेपर न्यूज

पत्रिका 06
patrika.com
ग्वालियर, गुरुवार, 20 अगस्त, 2020

पौधरोपण करने के लिए उपस्थित लोग।

औषधि पार्क के लिए जनसमुदाय की पहल

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

मुरैना. अमावस्या के अवसर पर बुधवार को ग्राम बमसौली में जनसमुदाय, जनप्रतिनिधियों एवं हितग्राही किसानों व भक्तजनों के सहयोग से खो वाले हनुमानजी मंदिर पर एक हेक्टेयर जमीन को औषधि पार्क बनाने के लिए पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन सुजागृति संस्था द्वारा किया गया। पौधरोपण से पूर्व में जो पौधे लगाए गए थे उन पौधों की सफाई की गई घास हटाया गया। फिर पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर गूगल, सतावर, अग्नि मांथ, जामुन और बरगद आदि के विभिन्न औषधीय पौधों का रोपण किया गया।

इस कार्यक्रम में जितेन्द्र सिंह तोमर, राकेश पचौरी, सबलगढ़ बमसौली के सरपंच मुरारी लाल रावत, जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सदस्य व हितग्राही किसान मुरैना से राकेश श्रीवास्तव, सुशील कुमार नागर, राजेन्द्र, सुजागृति से जाकिर हुसैन, मुन्नालाल आदि लोगों ने भागीदारी की। यह पौधरोपण यहां एक औषधि पार्क बने, पर्यावरण की सुरक्षा हो गरीबों की आजीविका सुनिश्चित हो, इस उद्देश्य को लेकर हरियाली से खुशहाली की ओर समुदाय को ले जाने का प्रयास किया जा रहा है। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के सहयोग से आयोजित किया गया। लगाए गए पौधों का रखरखाव का संकल्प भी ग्रामीणों ने लिया। साथ ही सरपंच ने ट्री-गार्ड लगाने का आश्वासन दिया।

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् औषधि पार्क के लिए जनसमुदाय की पहल

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् गुग्गल, सतावर, करील, का रोपण

आज दिनांक 07.08.2020 को ग्राम पंचायत पहाड़ी के चक्क सफेरे, मोगियों का पुरा, तहशील मुरैना में सुजागृति समाज सेवी संस्था मुरैना द्वारा गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रजातियों यथा गुग्गल, सताबर, जामुंन एवं नीम का रोपण किया गाय। पर्यावरण की सुरक्षा एवं समुदाय की आजीविका का साधन भूमि कटाव को रोकने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में हितग्राही किसान ग्राम सरपंच पहाड़ी श्री बनवारी लाल गुर्जर, श्री राजेन्द्र सिंह सिद्दर, सुजागृती समाज सेवी संस्था के लोग भागीदारी रही। तकनीकी सहयोग के लिए वन विभाग से कुलश्रेष्ठ डिप्टी रेंजर पलिया, फोरेस्ट गार्ड मुरैना रहेंगे। पेड़ ही प्रदूषण के जहर को बचाते हैं, बीमारी से हमको बचाते हैं। हरियाली ही खुशियांली है का संदेश दिया गया।

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् गुग्गल, सतावर, करील, का रोपण

गुग्गल का पौधा लगाकर आत्मनिर्भर बन सकते है किसान

विश्वकर्मा दिवस 29.07.2020 के उपलक्ष्य में एक प्रस्तुति के रुप में वृक्षारोपण के साथ पृथ्वी दिवस पर हमारी पृथ्वी को पुर्नस्थापित करनें, धरती पर ध्यान केंद्रित करने हेतु पर्यावरण को सुरक्षित करने, जिले को प्रदूषण रहित बनाने एवं लोगों की आजीविका सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुजागृति समाज सेवी संस्था मुरैना द्वारा आज ग्राम बामसौली तहसील सबलगढ़ में खो वाले हनुमान जी पर पौधारोपण किया गया। जिसमें गुग्गल, सतावर, करील आदि के पौधे रोपित किए गए। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में जैव विविधता प्रबंधन समिति के सदस्य, जन समुदाय, सुजागृति समाज सेवी संस्था के लोगों ने भागीदारी की। वृक्षारोपण के तकनीकी मार्गदर्शन हेतु वन विभाग के लोगों ने पौधा रोपण एवं उनके रखरखाव के बारे में ग्राम वासियों को जानकारी दी। होंगे पेड़ बहेगी वायु, हम सबकी बढ़ेगी आयु,। आओ रखें धरती का मान, वृक्ष लगाओ दो सम्मान। सुजागृति का है सपना, जंगल जंगल घर अपना। जाकिर हुसैन अध्यक्ष सुजागृति समाज सेवी संस्था मुरैना।

जागरूकता... गुग्गल का पौधा लगाकर आत्मनिर्भर बन सकते हैं किसानः जाकिर

मुरैना | गुग्गल का पौध कोई भी जानवर नहीं खाता। इस पौध को विकसित होने के लिए ज्यादा पानी की भी आवश्यकता नहीं होती। आसानी से बाजार उपलब्ध होने के कारण गुग्गल का पौधा लगाकर किसान आत्मनिर्भर बन सकते हैं। यह जानकारी सोमवार को पटवारी प्रशिक्षण केंद्र पर आयोजित पौध रोपण कार्यक्रम में समाजसेवी जाकिर हुसैन ग्रामीणों को दे रहे थे। इस अवसर पर सरकारी जमीन में 250 से अधिक गुग्गल के पौधे रोपे गए। अंत में ग्रामीणों ने रोपे गए पौधों के रख-रखाव करने का संकल्प लिया।

गुग्गल का पौधा लगाकर आत्मनिर्भर बन सकते है किसान

दिनंक 05 जुलाई 2020 को नागपंचमी के शुभ अवसर पर सुजागृतिसमाज सेवी संस्था, मुरैना द्वारा पटवारी प्रशिक्षण केंद्र के पीछे बीहड़ भूमि में 400 पौधों का रोपण किया जा गाय। जिसमें पंचांग रा,सतावर, गुग्गल, बेल एवं अन्य विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए गये।इससे यहां की जमीन रिवाइस में परिवर्तित होने से बचेगी एवं पटवारी प्रशिक्षण केंद्र की जमीन का सदुपयोग भी होगा। यहां एक औषधि उद्यान बनेगा और पर्यावरणीय लाभ होगा तथा यहां के भूमिहीन एवं बेघर लोगों के लिए आजीविका का स्रोत तैयार होगा। इससे पूर्व यहां की 4 एकड़ जमीन में पौधारोपण किया जा चुका है। पर्यावरण को सुरक्षित रखने एवं जिले को पर्यावरण प्रदूषित रहित करने एवं आजीविका सुनिश्चित करने हेतु पौधारोपण किया गया। इस पौधारोपण में संस्था के अध्यक्ष जाकिर हुसैन, लव पामर सुरेंदर सिंह, बेताल सिंह, उमेद और भभूति ने भाग लिया।

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् गुग्गल, सतावर, करील, का रोपण

सुजागृति समाज सेवी संस्था मुरैना, ईदगाह प्रांगण में 150 पौधों का रोपण दिनांक 19.07.2020 रविवार को शायं 05 बजे किया गया। जिसमें ईदगाह कमेटी के सदस्य मुनव्वर अली एवं संस्था अन्य लोग सम्मिलित हुये।यहां कई प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। इसमें सहयोग कुलश्रेष्ठ रेंजर, मुरैना द्वारा 50 पौधे प्रदान कर सहयोग किया गया। इन पौधों में गुग्गल, शतावर, खमेर, गुलाब, गुड़हल, मोगरा, चंपा एवं हरसिंगार के प्रमुख थे। पौधारोपण के कार्यक्रम में संस्था के सदस्यों के रूप में अब्दुल हुसैन, रहीस खान और संस्था अध्यक्ष जाकिर हुसैन के नेतृत्व में यह कार्यक्रम संपादित किया गया। इस समय कार्बन डाइऑक्साइड तथा अन्य जहरीली गैसों के कारण केवल मनुष्य ही नहीं अपितु समस्त प्राणियों के जीवन का पर घातक असर पड़ता है। ओजोन परत को भी इन गैसों से क्षति पहुंच रही है। प्राणियों को जीवन में पर्यावरण को हरा भरा बनाने का प्रयास कर, इस घातक समस्या से निजात पाने का प्रयास करना होगा।

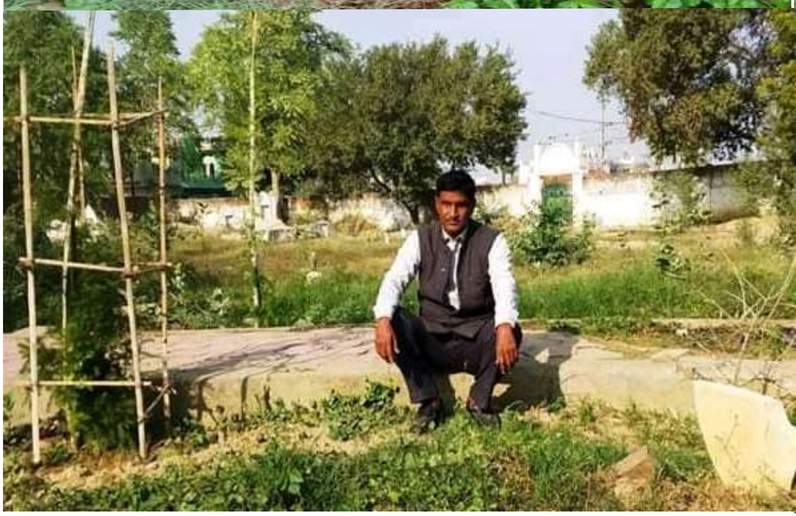

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् गुग्गल को कटिंग द्वारा लगाने की विधि का प्रशिक्षण

आज दिनांक 28.07.2020 को ग्राम जाबरोल, जनपद पंचायत, सबलगढ़, जिला–मुरैना में गुग्गल को कटिंग से कैसे लगाया जाए इसका प्रशिक्षण हितग्राही किसानों को एवं भोपाल से आए फॉरेस्ट गार्ड और अन्य साथियों को दिया गया

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् गीत–नाटक के जरिए दिया गया संरक्षण का संदेश

आज दिनांक 23 सितम्बर 2020 ग्राम बामसौली में गुग्गल पौधों के संरक्षण और संवर्धन हेतु कला मंडल द्वारा वातावरण निर्माण एवं पौधों के रखरखाव और संरक्षण पर चर्चा करते हुए आम जनता के साथ–साथ में बीएमसी अध्यक्ष श्री रामबहादुर एवं पूर्व सरपंच श्री बहादुर सिंह जादोन यह पौधे nmpb के सहयोग से सुजागृति संस्था द्वारा 1 हेक्टेयर भूमि में रोपण का कार्यकिया गया।

जागरुकता...गीत-नाटक के जरिए दिया पर्यावरण सरंक्षण का संदेश

पेपर न्यूज

मुरैना | शासकीय कलापथक दल ने मंगलवार को ग्राम बमरौली पहुंचकर अभिनय के माध्यम से ग्रामीणों को पर्यावरण सरंक्षण का संदेश दिया। जिसमें उन्हें गीत के माध्यम से कहा कि पेड़ हैं सांसे, पेड़ जीवन, पेड़ों की रखवाली हो। जंगल-जंगल नाच उठें और जगह-जगह हरियाली हो। इसके बाद नाटक की प्रस्तुती देकर ग्रामीणों को बताया कि मानवीय हस्तक्षेप के कारण किस तरह हमारा पर्यावरण नष्ट हो रहा है। अभिनय के माध्यम से ग्रामीणों को जागरुक करने वाले कलाकारों में राजेंद्र बांदिल, मुन्नालाल, सुशील कुमार, राकेश श्रीवास्तव, नरेश पोसिया आदि थे। कार्यक्रम का संचालन जाकिर हुसैन द्वारा ने किया।

गुग्गल के संरक्षण एवं संबर्धन हेतु गुजरात एक्सपोजर विजिट पर संस्था का दल

एक्सपोजर विजिट हेतु संस्था की ओर से 3 लोगों का एक दल दिनांक 21—12—2020 को आनंद, गुजरात में एक नर्सरी का अवलोकन किया गया। इस नर्सरी को अगरूपा चौहान द्वारा तैयार किया गया है। दिनांक 22—12—2020 को हमारे द्वारा हिम्मतनगर मैं देवकी नर्सरी, जशनपुरा का अवलोकन किया गया। यहां औषधीय पौधे एवं अन्य प्रजाति के पौधों को लगाया गया है। दोपहर बाद हम लोग भानपुरा में फील्ड विजिट किया, जहां हितग्राही किसानों द्वारा लगाए गए पौधे व प्रारूप से लगे पौधों को देखा, जिसमें एक किसान द्वारा गुग्गल के पौधे लगाए किंतु उससे वह गोंद नहीं निकाल पाया। क्योंकि उसे गौद निकालने की जानकारी नहीं थी।इस कारण उन्होने उन पेड़ों कोउखाड़बा कर उस पर अन्य खेती कर ली।दिनांक 23—12—2020 को हम लोग भुज पहुंचे जहां हमारी मुलाकात एवं चर्चा डीएफओ श्री तुषार पटेल साहब से हुई। इसके पश्चात् वन परिक्षेत्र अधिकारियों के साथ एक नर्सरी व रोपित पौधों को देखा।इस नर्सरी में खारा गुग्गल और मीठा गुग्गल नाम की दो प्रजातियां हैं।गुग्गल की नर्सरी बहुत अच्छी थी। हमने नर्सरी लगाने की कला सीखी।दिनांक 24—12—2020 में हम लोग माता नो मठ गुग्गलयान गए, वहां की नर्सरी देखी यहां की नर्सरी काबिले तारीफहैं। यहांगुग्गल के बीज संग्रह से लेकर बीजारोपण तथा नर्सरी के रखरखाव के तौर तरीके सीखे और समझे। इसी नर्सरी में एक हमें गुग्गल का नर पौधा भी देखने को मिला। उससे हमारे द्वारा चार पांच कटिंग ली गई। गुग्गलयान में भुज वन विभाग द्वारा गुग्गल का अच्छा संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य किया गया है। यहां की गुग्गल के पौधों की ऊंचाई 4 से 5 फीट है तथा कुछ पौधे मजार के पास लगे थे, वह बहुत विशाल पौधे थे जिनकी ऊंचाई 12 से 13 फीट ऊंचे थे, मोटाई भी बहुत अच्छी थी। हमारे द्वारा कुछ ग्रामीणों से एवं हितग्राही किसानों से भी बात की गई,वन अमले से भी चर्चा की गई, किंतु गुग्गल से गोंद निकालने के विषय में कोईजानकारी नहीं मिली।गुग्गल से कितना गोंद निकलता है, यह भी नहीं जान सके।इसके बाद हम कादरी अनुसंधान केंद्र में पहुंचे जहां 90 पौधे गुग्गल के लगे हुए हैं वह देखे वहां के वैज्ञानिकों से चर्चा किया तत्पश्चात् गाइड इंस्टिट्यूट को भी देखा। वहां से भी हमने गुग्गल के विषय में जानकारी प्राप्त करदिनांक 25—12—2020 को मुरैना के लिए वापस प्रस्थान किया गया।

गुजरात एक्स्पोजर विजिट से यह महसूस हुआ के गुग्गल हेतु यहां का मिट्टी तथा मौसम बड़ा मुफीद है। इस भू—भाग में कटिंग के पौधा न लगाकर बीज द्वारा तैयार किए गए गुग्गल के पौधे रोपित किए जाएं। क्योंकि बीज द्वारा लगाया गया पौधा सुपोषण करने तथा रोगों से लड़ने में आंशिक सक्षम होता है, जबकि कटिंग के पौधे में ऐसा नहीं है।बीज वाले गुग्गल का पौधा बढ़ता भी तेजी से है उससे गोंद भी कम समय में निकलेगा।यहां गुग्गल के जो पौधे जंगल में लगे हुए हैं उनमें भी नर पौधों की संख्या ना के बराबर है, किंतु है नर पौधों की संख्या बढ़ाने की भी आवश्यकता महसूस होती है इससे जेनेटिक प्रभाव पड़ेगा। देखने में यह भी आया के गुजरात के हितग्राही किसान तथा जमीनी स्तर से जुड़े वन विभाग के अमले को गुग्गल से संबंधित तकनीकी व पारंपरिक जानकारी की कमी है। उन्हें प्रशिक्षण की आवश्यकता है, क्योंकि गुग्गल के संरक्षण और संवर्धन के बाद गुग्गल से गोंद निकालना भी आवश्यक है। गुग्गल द्वारा वैज्ञानिक विधि से गोंद निकालने के लिए वन स्टाफ के अमले को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है ताकि वे स्थल पर गोंद संग्राहकों को प्रशिक्षित कर विनाश विहीन विदोहन अपनाने में सहयोग कर सके। भुज में गुग्गल की नर्सरियां काबिले तारीफ है उन पर अच्छा काम किया गया है

गुग्गल के संरक्षण एवं संबर्धन हेतु गुजरात एक्सपोजर विजिट के फोटो

एन.एम.पी.बी. की परियोजना के तहत् गुग्गल फल संग्रह

दिनांक 29.11.2020 को इस वर्ष 40 किलोग्राम पका हुआ गुग्गल फल का संग्रहण किया गया है। 50000 पौधे लगाने का लक्ष्य भी तय किया गया है, इसके लिए दो जगह नर्सरी स्थापित की जाएगी 1 ग्राम जाबरोल में तथा दूसरा मुरैना में हनुमान जी के पीछे।

Unnamed Road, Ber Kheda, Madhya Pradesh
476229, India

Piprai, Madhya Pradesh 476001, India
Latitude
26.6356226°
Longitude
77.9378165°
Local 04:53:05 PM
GMT 11:23:05 AM
Altitude 103.83 meters
Thursday, 03-12-2020

Bamsoli, Madhya Pradesh 476229, India
Latitude
26.1740953°
Longitude
77.4271029°
Local 03:55:19 PM
GMT 10:25:19 AM
Altitude 159.7 meters
Monday, 23-11-2020

NH 44, Masoodpur, Madhya Pradesh 476001, India
Latitude
26.6134743°
Longitude
77.9348382°
Local 05:18:04 PM
GMT 11:48:04 AM
Altitude 112.66 meters
Thursday, 03-12-2020

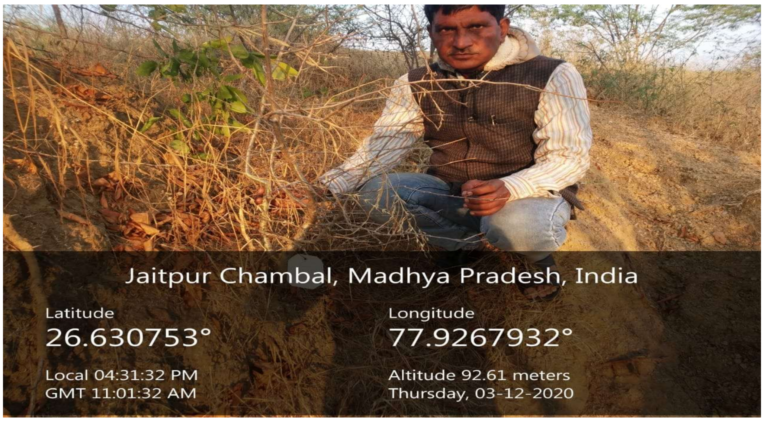
Jaitpur Chambal, Madhya Pradesh, India
Latitude
26.630753°
Longitude
77.9267932°
Local 04:31:32 PM
GMT 11:01:32 AM
Altitude 92.61 meters
Thursday, 03-12-2020

सुजागृति द्वारा मदुरई की 200 एकड में औषधि पार्क का निर्माण

रेक्सनॉल्ट कंपनी मुंबई की 200 एकड़ जमीन जो मदुरई से 80 किलोमीटर की दूरी पर है, वहां गुग्गल, चंदन के पौधों का रोपण कार्यक्रम चल रहा है। दिनांक 15.03.2020 से यहां एक औषधि फार्म बनकर तैयार होगा। कुछ ही समय में करोड़ों रुपए का गुग्गल गौद पेड़ों में लगने लगेगा। वहां गुग्गल के 100000 (एक लाख) पौधे, सतावर के 100000 (एक लाख) पोधे एवं चंदन तथा नारियल लगायें जा रहे हैं।इससे देश में जो गुग्गल के गोंद का आयात पाकिस्तान से करना पड़ता है, वह नहीं करना पड़ेगा साथ ही इस प्रजाति का संरक्षण और संवर्धन होगा। यहां के लोगों की आजीविका का श्रोत भी बनेगा साथ ही यहां के किसान इन प्रजातियों से प्राप्त आय से प्रेरित एवं आकर्षित होकर पौधा रोपण करेगे। भविष्य में कुछ ही समय बाद अरबों रुपए का लाभ कंपनी को होने लगेगा, यह कार्य सुजागृति समाज सेवी संस्था मुरैना के निर्देशन में किया जा रहा है।

गूगल, सतावर की विनाशविहीन विदोहन प्रक्रिया पर प्रशिक्षणः–

आज दिनांक 20.01.2021 को ग्राम चिनौनी चंबल में श्री मुन्ना सिंह सिकरवार सरपंच साहब के निवास पर सुजागृति समाज सेवी संस्था और जैव विविधता प्रबंधन समिति लंगलिया के सहयोग से गुग्गल, सतावर के संरक्षण संवर्धन को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें वन विभाग से एसडीओ बलवंत सिंह चौहान, रेंजर, डिप्टी रेंजर एवं फॉरेस्ट गार्ड के साथ–साथ जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह तोमर, चिनौनी के पूर्व सरपंच मुन्ना सिंह सिकरवार और संस्था के कार्यकर्ताओं द्वारा भागीदारी की गई। इस कार्यशाला में 60 हितग्राही किसान जो गुग्गल,सतावर पर काम करने वाले हैं उन्होंने भागीदारी की और उन्होंने गूगल एवं सतावर तथा अन्य लघुवन उपजोंकी कृषि तकनीक के बारे में समझाया। स्थानीय प्रशिक्षणार्थी वृक्षारोपण के लिए वह संकल्पित हुए और पौधों की मांग की।लोगों में गुग्गल गोंद निकालने पर वन विभाग व पुलिस ये व्याप्त भय को स्वयं सेवी संस्था एवं वन विभाग के एस.डी.ओ. साहब द्वारा दूर किया गया। यह कार्यशाला nmpb दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गई थी जो बहुत ही सारगर्भित रही। इसमें हितग्राही किसानों द्वारा औषधीय पौधों के संरक्षण और संवर्धन हेतु संकल्प लिया गया। यह कार्यक्रम बी.एम.सी. लगडिया के सहयोग से किया गया।

अध्यक्ष जाकिर हुसैन द्वारा दूर किया गया तथा एसडीओ साहब द्वारा भी वह दूर किया गया कार्यशाला दउचइ दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गई कार्यशाला बहुत ही सारगर्भित रही इसमें हितग्राही किसानों द्वारा औषधि पौधों के संरक्षण और संवर्धन के लिए संकल्प लिया गया।

चंबल क्षेत्र में गुग्गल के संरक्षण एवं संवर्धन पर राष्ट्रीय परिचर्चा

सुजागृति समाज सेवी संस्था मुरैना और आर.सी.एफ.सी. मध्य क्षेत्र जबलपुर द्वारा चंबल संभाग में गूगल की संभावनाओं को तलासते हुए राष्ट्रीय सेमिनार में विषय विशेषज्ञों द्वारा किसानों एवं वन विभाग के अमले को जागरूक किया गया और बताया कि अन्य प्रदेशों के गुग्गलकी अपेक्षा यहां का गुग्गल गुणवत्ता में ज्यादा अच्छा है, जिसके दाम 160000/— प्रति क्विंटल के हिसाब से बेचा जा सकता है।गुग्गल विषय को लेकर सम्मेलन का आयोजन 20 फरवरी 2021, शनिवार को इंको सेंटर देवरी घड़ियाल केंद्र में आयोजित किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में जे.एन.एल. शास्त्री सीईओ, नेशनल मेडिसिनल प्लांट बोर्ड भारत सरकार,नई दिल्ली के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अरुण तोमर नेशनल को ऑपरेटिव सोसायटी द्वारा की गई। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रुप में पूर्व पीसीसीएफ डॉ. पी सी दुबे साहब भोपाल, आरसीएफसी निदेशक, डॉ. पीके शुक्ल साहब, ग्वालियर से एपीसीसीएफ श्री बी. एस. अन्नागिरी साहब, मुरैना डीएफओ श्री बसंत कुमार कुंज जी, डाबर कंपनी से अभी, बैद्यनाथ कंपनी से डॉ. अनुर, जेएनकेवीवी जबलपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मोनी थॉमस आदि लोगों ने इस कार्यक्रम में किसानों को गुग्गल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु ज्ञान वर्धन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. जेएलएन शास्त्री गूगल के बृहद वृक्षारोपण को लेकर एक कॉरिडोर बनाने की बात किया, जिसमें हजारों हेक्टेयर भूमि पर गुग्गल का वृक्षारोपण किया जाए, उसका संरक्षण एवं संवर्धन किया जाए। कार्यक्रम में डॉ. मोनी थॉमस द्वारा गुग्गल के पौधे का कैसे संरक्षण एवं संवर्धन किया जाय, गोंद का संग्रहण, भंडारण एवं रखरखाव के बारे में जानकारी प्रदान किया। डॉ. पी सी दुबे सेवा निवृत्त पीसीसीएफ, भोपाल द्वारा गुग्गल की कटिंग से पौधे तैयार ना करके बीजसे पैदा करने, नर्सरियों की संख्या बढ़ानेएवं समर्पित भाव से वन विभाग, स्वयं सेवी संस्थाएं और जन समुदाय के मिलकर काम करने पर बल दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय श्री अरुण तोमर साहब ने ज्यादातर नेशनल को ऑपरेटिव सोसाइटी द्वारा भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश सरकार से गुग्गल किसानों को एवं शासन तथा संस्था के लिए भरपूर सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर गुग्गल नर्सरी हेतु सुजागृति समाज सेवी संस्था द्वारा गुग्गल पर तैयार किए गए ब्रोसर का

विमोचन किया गया। बाहर से पधारे हुए सभी अतिथियों को प्रशस्ति पत्र, श्रीफल और साल भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम समापन के बाद वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ भी किया गया। एनएमपीवी, दिल्ली से पधारे हुए डॉ मुर्गे, र.स.द. शास्त्री साहब, डॉ. पीके शुक्ला साहब द्वारा भी गुग्गल पौधेका रोपण श्री मनोज सोनी के खेत की मेड़ों पर किया गया। इस कार्यक्रम में 250 किसानों ने भागीदारी की तथा जैवविविधता प्रबंधन समिति लांगलिया श्री राजेंद्र सिंह तोमर, जैव विविधता प्रबंधन समिति बांमसौली से राम सिंह और पिपरई से द्वारका जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जाकिर हुसैन के द्वारा किया गया। सहयोग बी.एम.सी. लगडिया का भी रहा।

आज बेस लाइन प्लांट अकाउंट नंबर नीडेड का कार्यक्रम पिपरई पंचायत में किया गया जिसमें प्रोजेक्ट एरिया में इन पेड़ों को लगा हुआ पाया गया। प्रारूप में लगे हुए पौधे 67 करील के,चमेली के 110,शतावर के 04 पेड़ प्रारूप से लगे हुए पाए गए। जिनका सर्वे निम्नानुसार है।

सिलैक्ट, प्रोजेक्ट एरिया में प्राकृतिक रूप से खडे पौधे हेतु वेश लााईन सर्वे

क्रं.	गॉव का नाम	सतावर पौधे	करील पौधे	चमैनी पौधे	गुग्गल पौधे
1	पिपरई	4	67	110	24
2	बामसौली	0	12	8	9
3	जाबरौल	3	56	18	16
4	बागचीनी	5	7	2	3
5	बेरखेडा	8	5	4	5

वन दिवस पर गूगल पौधा रोपण

वनो की जब रखवाली होगी, पृथ्वी पर खुशहाली और हरियाली होगी। इसी उद्देश्य को लेकर सुजागृति समाज सेवी संस्था, मुरैना द्वारा निरंतर वृक्षारोपण एवं संरक्षण का कार्यक्रम किया जा रहा है। इसी क्रम में आज 21 मार्च 2021 को ग्राम जाबरौल में गूगल वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया जिसमें 120 गुग्गल के पौधों का रोपण कराया जा रहा है, जिससे औषधीय पौधा गुग्गल का संरक्षण तो होगा ही साथ ही हरियाली भी होगी, लोगों की आजीविका का साधन भी बनेगी तथा बीहड़ में कटाव भी रुकेगा। इस अवसर पर पूर्व सरपंच एहसान खान जावरौल ने ग्राम वासियों के साथ पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी ली गई।

MADHYARAJY...

दानक काया क अलावा अन्य क्षेत्रा हा हम चहु आर स जल सकट का

सुजागृति वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न

मुरैना. वनो की जब रखवाली होगी , पृथ्वी पर खुशहाली और हरियाली होगी। इसी उद्देश्य को लेकर सुजागृति समाज सेवी संस्था मुरैना द्वारा निरंतर वृक्षारोपण कार्यक्रम व संरक्षण कार्यक्रम कर रही है। उसी क्रम में आज 21 मार्च 2021 को ग्राम जाबरौल में गूगल वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया जिसमें 120 गूगल के पौधों का रोपण आज कराया जा रहा है जिससे औषधि पौधा गूगल का संरक्षण तो होगा ही साथ ही हरियाली भी होगी लोगों की आजीविका का साधन भी बनेगी तथा बीहड़ कटव भी रुकेगा इस अवसर पर पूर्व सरपंच एहसान खान जावरौल रहे ग्राम वासियों ने और सरपंच साहब द्वारा पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी ली गई।

पौधों का टेगिंग कार्य

इस प्रोजेक्ट एरिया में गुग्गल पौधा एवं इंटर क्रॉपिंग पौधों में टैगिंग का कार्य किया जा रहा है, जो कुछ ही दिनों में पूरा हो जाएगा।

गुग्गल नर्सरीयॉ तैयार की गई–

जून 2020 को गुग्गल नर्सरी तैयार करने हेतु स्थान का लेआउट लेकर उसमें बैट तैयार कराये गये तथा 10000 पन्नीयों में मिटटी भरवाई गई और बीज उपचार कर रोपण कार्य किया गया। यह नर्सरी न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में 10000 पौधों की तैयार की गई तथा 10000 पौधों की नर्सरी ग्राम जाबरौल में इसी प्रकार तैयार की गई।

गुंग्गल नर्सरी का रखरखाव

नर्सरी हेतु पॉलीथिन तैयार कराना

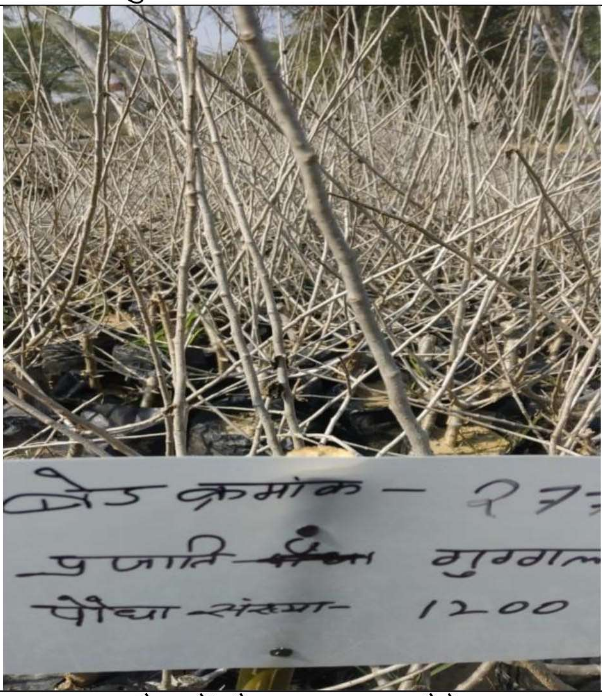

बैट में तैयार गुग्गल पौधे

बैट में तैयार सताबर पौधे

अध्यक्ष

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था

मुरैना (म.प्र.)